RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 175 | THURSDAY 02-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

नहीं मिलावट भी बुरी, अच्छी यह करतूत।
बढ़ जाती इम्यूनिटी, होता तन मजबूत।
होता तन मजबूत, बदन को घी-सी लागे।
जागें व्हाइट सेल, बिमारी डरकर भागे।
कह साहिल कविराय, इसे मत कहें गिरावट।
रोधक क्षमता बढ़े, चीज है बड़ी मिलावट।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

हल्का वेस्ट से कांग्रेसी लीडर के भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ने की चर्चाएं, क्या यूथ को मिलेगा मौका या सीनियर सिटीजन्स को मिलेगी टिकट

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। जल्द पंजाब विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने जा रहा है। जिसके चलते राजनीतिक उथल पुथल शुरू हो चुकी है। पहली बार भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अपनी सरकार बनाने के मुड़ में आ चुकी है। हालांकि भाजपा का शहरी क्षेत्र में वोट बैंक काफी मजबूत माना जाता है। पिछले लोकसभा, विधानसभा और कारपोरेशन चुनाव के नतीजों से ही इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बात से विपक्ष भी अच्छे से जानकार है। ऐसे में अब कई विपक्षी पार्टियों के लीडरों ने भी भाजपा की तरफ अपना रास्ता बनाना शुरू कर दिया है। चचाएं हैं कि विधानसभा चुनाव 2027 में लुधियाना की हल्का वेस्ट सीट से कांग्रेस पार्टी का एक लीडर भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ सकता है। दरअसल, एक तरफ जहां भाजपा का शहरी वोट बैंक मजबूत है, वहीं हल्का वेस्ट में भी भाजपा के समर्थक सबसे ज्यादा है। जिसके चलते कुछ कांग्रेसी नेता इस हल्के से भाजपा की टिकट के चाहवान हैं। हालांकि हल्का वेस्ट में कांग्रेस यूथ की बात करें तो सनी भल्ला, पंकज शर्मा काका, महाराज सिंह राजी जैसे लीडर भी मौजूद है। लेकिन अब देखना होगा कि कौन सा लीडर कांग्रेसी खेमे से निकलकर भाजपा में शामिल होता है।

कांग्रेस के कई लीडर हो सकते हैं साइड

वहीं चर्चा है कि इस बार जहां भाजपा द्वारा यूथ पर फोक्स किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने भी यूथ को आगे लाने का मन बना लिया है। पंजाब कांग्रेस में ज्यादातर लीडर सीनियर सिटीजन हो चुके हैं, जिनमें कइयों की उम्र 70 साल के करीब हो चुकी है। ऐसे में चर्चा है कि इस बार कांग्रेस पार्टी द्वारा सीनियर सिटीजन लीडर्स को साइडलाइन किया जाएगा, जबकि यूथ व नए चेहरों को आगे आने का मौका दिया जाएगा। हालांकि 50 साल की उम्र वाले लीडर भी मौका अजमाना चाहते हैं, क्योंकि यह मौका भी उनके लिए आखिरी है। दूसरी तरफ युवा मौका चाहते हैं। अब देखना होगा कि पार्टियां किसे मौका देती है।

लिस्ट से बाहर हुए वर्कर खुद को कांग्रेसी न समझें

केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट डाली है। जिसमें लिखा है कि जिस कांग्रेसी नेता का नाम इस लिस्ट में भी नहीं आया, वह अब अपने आप को कांग्रेसी ही न समझे। जिन्हें नई जिम्मेदारियाँ मिली हैं, उन्हें बधाई। बिट्टू की इस पोस्ट ने हलचल पैदा कर दी है।

कांग्रेस ने मौका न दिया तो भाजपा से हो सकते हैं उम्मीदवार

चर्चा है कि अगर कांग्रेस द्वारा अपने लीडरों को अनदेखा किया जाता है तो वे भाजपा से उम्मीदवार हो सकते हैं। बात करें सनी भल्ला की तो वे दो महीने पहले ही विधानसभा चुनाव लड़ने की ईशा जता चुके हैं, हालांकि उन्होंने हल्के को लेकर टिप्पणी नहीं की। वहीं, पंकज शर्मा काका साफ छवि और अच्छा जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। आप सरकार में विपक्षी होने के बावजूद वे जनता के काम बिना रुके करवाते हैं। ऐसे में अगर इन लीडरों को पार्टी अनदेखा करेगी, तो दूसरी पार्टी का दामन थामना तो स्भाविक है।

हल्के के कांग्रेसी मुखी भी दावेदार

वहीं चर्चा है कि हल्का वेस्ट से कांग्रेस पार्टी के मुखी को लेकर भी कई तरह की अटकलें चल रही है। चर्चा है कि अगर पार्टी द्वारा उन्हें नजरअंदाज किया जाता है तो वे भी भाजपा का दामन थाम सकते हैं। हालांकि हर लीडर सेफ व सिक्योर लाइन चाहता है। ऐसे में हल्का वेस्ट में भाजपा से चुनाव लड़ना सबसे ज्यादा सिक्योर माना जा रहा है।

दूसरी पार्टियां इन युवाओं पर खेल सकती है दांव

कांग्रेस पार्टी में इस बार कई युवा चेहरे टिकट की दावेदारी में मजबूती से सामने आ सकते हैं। इनमें सनी भल्ला उर्फ जनता लीडर, पंकज शर्मा काला और महाराज सिंह राजी के नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। तीनों नेता वेस्ट हलके से होने के साथ कई बार पार्षद रहते हुए अच्छा जनाधार रखते हैं। चर्चा है कि करीब 40 की उम्र में पहुंच चुके इन नेताओं को अगर कांग्रेस मौका नहीं देती, तो दूसरी इन चेहरों पर दांव खेल सकती है चुनावी माहौल में मजबूत जनाधार वाले नेताओं को कोई भी पार्टी अपने साथ जोड़ना चाहेगी।

सेंट थॉमस स्कूल के प्रिंसिपल ने बच्चे से की मारपीट, हरासमेंट भी की, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। ब्राउन रोड स्थित सेंट थॉमस स्कूल के प्रिंसिपल पर दूसरी क्लास के बच्चे के पेरेंट्स ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल पर मारपीट करने और बच्चे की हरासमेंट करने के आरोप लगाए हैं। इस संबंधी थाना डिवीजन नंबर दो की पुलिस ने फिल्डगंज के भारत भूषण की शिकायत पर प्रिंसिपल सैम्युल खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसका बेटा गीतांश सेंट थॉमस सीनियर सैकेंडरी स्कूल में दूसरी क्लास का स्टूडेंट है। उक्त आरोपी इसी स्कूल में प्रिंसिपल है। जिसकी और से रोजाना बच्चे के साथ मारपीट की जाती थी। जबकि पीटने के बाद उसे घर पर न बताने के लिए धमकियां भी दी जाती थी। जिस कारण बच्चा काफी सहमा रहता था। इसके अलावा आरोपी द्वारा बच्चे को कभी रिसेंपशन पर तो कभी अलग अलग कमरों में बैठाकर हरासमेंट की जाती थी। बच्चे ने सारी बात अपने परिवार वालों को बताई। जिसके चलते शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी।

चुनाव से पहले कांग्रेस ने सेट किया पंजाब का सियासी मैदान

राजा वड़िंग की प्रधानगी बरकरार, चन्नी समेत बड़े नेताओं को चुनावी मोर्चों की कमान

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने संगठन और चुनावी रणनीति को धार देने के लिए अपनी अहम चुनावी कमेटियों का ऐलान कर दिया है। पार्टी हाईकमान ने एक बार फिर राजा वड़िंग पर भरोसा जताते हुए उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बरकरार रखा है, जबकि प्रताप सिंह बाजवा विधायक दल के नेता बने रहेंगे। इस फैसले को कांग्रेस की ओर से पंजाब में नेतृत्व को लेकर

प्रधान राजा वड़िंग | प्रताप सिंह बाजवा | चरणजीत सिंह चन्नी | विजय इंदर सिंगला | सुखविंदर रंधावा | डॉ. अमर सिंह

स्थिरता का संदेश माना जा रहा है। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाकर दलित वोट बैंक और जनाधार को साधने की कोशिश की है। वहीं विजय इंदर सिंगला को इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे चुनावी रणनीति, प्रचार प्रबंधन और संगठनात्मक तालमेल को मजबूत किया जा सके। सुखजिंदर सिंह रंधावा को कोर कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है, जबकि डॉ. अमर सिंह को मेनिफेस्टो कमेटी की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा सुखविंदर डैनी, राज कुमार वेरका और संगत सिंह गिलजियां को वर्किंग प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने इस टीम के जरिए पंजाब में जातीय, क्षेत्रीय और संगठनात्मक संतुलन बनाने की कोशिश की है। अब चुनौती यह होगी कि पार्टी अंदरूनी गुटबाजी से ऊपर उठकर इस टीम को चुनावी मैदान में कितना प्रभावी बना पाती है।

जब बार-बार पेशाब आना, स्टोन या प्रोस्टेट की समस्या को लोग नजरअंदाज कर देते हैं...तब बढ़ सकती हैं मुश्किलें – दीपक हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. योगेश कालरा

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग स्वास्थ्य को लेकर पहले से अधिक जागरूक हुए हैं, लेकिन कई ऐसी समस्याएं हैं जिन पर लोग अब भी खुलकर बात नहीं करते। बार-बार पेशाब आना, पेशाब रुक-रुक कर आना, रात में कई बार उठना, यूरिन इंफेक्शन, किडनी स्टोन या महिलाओं में प्रेग्नेंसी के बाद यूरिन कंट्रोल की समस्या—इन सबको अक्सर सामान्य मानकर टाल दिया जाता है। दीपक हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. योगेश कालरा ने बातचीत के दौरान बताया कि समय रहते पहचान और सही इलाज से इन समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर जागरूकता के कारण अब कई यूरोलॉजी समस्याओं का इलाज पहले की तुलना में अधिक आसान और सुरक्षित हो गया है।

डॉक्टर बनने और फिर यूरोलॉजी चुनने का सफर कैसा रहा?

एमबीबीएस के बाद डॉक्टर विभिन्न विशेषज्ञताओं में प्रशिक्षण लेते हैं। जनरल सर्जरी के दौरान यूरोलॉजी, कार्डियक सर्जरी और अन्य क्षेत्रों का अनुभव मिलता है। उसी दौरान मेरी रुचि यूरोलॉजी की ओर बढ़ी और मैंने इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का फैसला किया। परिवार में भी मेडिकल बैकग्राउंड होने से इस दिशा में प्रेरणा मिली।

आजकल यूरोलॉजी से जुड़ी सबसे आम समस्याएं कौन-सी हैं?

यूरोलॉजी केवल पेशाब से जुड़ी बीमारी नहीं बल्कि पूरे यूरिनरी सिस्टम से संबंधित चिकित्सा क्षेत्र है। इसमें किडनी स्टोन, ब्लैडर स्टोन, प्रोस्टेट की समस्या, पुरुषों में प्रजनन संबंधी समस्याएं और महिलाओं की यूरोलॉजिकल समस्याएं शामिल होती हैं। पुरुषों में सबसे आम समस्या प्रोस्टेट से जुड़ी होती है। 40 वर्ष की उम्र के बाद प्रोस्टेट का आकार धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो जाता है। 65 वर्ष के बाद हर सात में से एक पुरुष को इससे जुड़ी परेशानी हो सकती है।

क्या बढ़ा हुआ प्रोस्टेट हमेशा खतरनाक होता है?

नहीं। केवल प्रोस्टेट बड़ा होना बीमारी नहीं है। अगर मरीज को कोई लक्षण नहीं हैं तो इलाज की जरूरत नहीं होती। लेकिन यदि पेशाब रुक-रुक कर आना, बार-बार पेशाब लगना या ब्लॉकेज जैसी समस्या हो तो इलाज जरूरी हो जाता है। अधिकतर मामलों में दवाइयों से नियंत्रण संभव है। जरूरत पड़ने पर आधुनिक लेजर तकनीक से बिना चीरा लगाए ऑपरेशन किया जाता है और मरीज जल्दी घर जा सकता है।

कैसे पता चलता है कि प्रोस्टेट सामान्य है या असामान्य?

अगर प्रोस्टेट असामान्य तरीके से बढ़े तो कैंसर का खतरा हो सकता है। इसके लिए PSA (प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन) नाम का ब्लड टेस्ट किया जाता है जिससे शुरूआती जांच संभव होती है।

ओवरएक्टिव ब्लैडर क्या होता है?

यह ऐसी स्थिति होती है जिसमें बहुत कम मात्रा में पेशाब होने पर भी बार-बार पेशाब की तेज इच्छा होती है। मरीज को लगता है कि तुरंत वॉशरूम जाना जरूरी है और कई बार कंट्रोल भी नहीं रहता। यह समस्या डायबिटीज, प्रोस्टेट, इंफेक्शन या ब्लैडर की अनियमित गतिविधि के कारण हो सकती है। सबसे जरूरी बात यह है कि मरीज शर्म न करें। लगभग 80 प्रतिशत मामलों में केवल लाइफस्टाइल और खान-पान में बदलाव से सुधार संभव है।

महिलाओं में प्रेग्नेंसी के बाद यूरिन लीकेज की समस्या कितनी सामान्य है?

- प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद महिलाओं के शरीर को सामान्य होने में समय लगता है। कई मामलों में यह समस्या समय के साथ ठीक हो जाती है। इस दौरान अनावश्यक दवाइयों से बचा जाता है। खासकर मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।

किडनी स्टोन आजकल इतनी आम क्यों हो रही है?

- इसके कई कारण हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण पानी कम पीना यानी डिहाइड्रेशन माना जाता है। इसके अलावा खान-पान और कुछ मामलों में आनुवंशिक कारण भी जिम्मेदार होते हैं। इलाज की बात करें तो अब बड़े ऑपरेशन की जरूरत पहले जैसी नहीं रहती। आज लेजर और एंडोस्कोपिक तकनीकों से बिना बड़े चीरे के स्टोन हटाए जा सकते हैं। स्टोन निकलने के बाद उसका विश्लेषण कर मरीज को सही डाइट भी बताई जाती है।

क्या यूटीआई केवल महिलाओं की समस्या है?

- यूटीआई महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है लेकिन पुरुषों में भी हो सकती है। इसकी पुष्टि यूरिन टेस्ट और यूरिन कल्चर से होती है। पुरुषों में बार-बार यूटीआई होने पर ब्लॉकेज जैसी स्थितियों की जांच जरूरी होती है। जहां तक सार्वजनिक शौचालयों का सवाल है, पहले जो धारणा थी कि केवल वहीं से संक्रमण होता है, अब उसे पूरी तरह सही नहीं माना जाता। सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता ज्यादा महत्वपूर्ण है। यात्रा के दौरान हाइजीन का ध्यान रखना और जरूरत पड़ने पर स्वच्छता उत्पादों का उपयोग करना संक्रमण के खतरे को कम कर सकता है।

डॉ. योगेश कालरा की सलाह:

- बार-बार पेशाब आना, दर्द, पेशाब में जलन, स्टोन या यूरिन कंट्रोल की समस्या को सामान्य मानकर न टालें। समय पर जांच और सही इलाज कई गंभीर समस्याओं को शुरूआती स्तर पर ही रोका जा सकता है।

कारोबारी बॉबी जिंदल ने सरकार पर उठाए सवाल, बोले – इंडस्ट्री के कट लगाकर महिलाओं को बांटे 1100 करोड़?

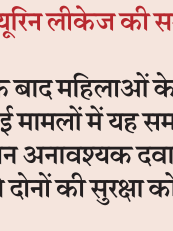

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं के खातों में 1100 करोड़ की पहली किस्त जारी किए जाने के बाद अब उद्योग जगत से भी इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। पंजाब डाइयर्स एसोसिएशन के सचिव एवं उद्योगपति बॉबी जिंदल ने आरोप लगाया कि सरकार ने उद्योगों के लिए अतिरिक्त बिजली खरीदने के बजाय उसी राशि का उपयोग महिलाओं को योजना के तहत भुगतान करने में किया है, जिससे उद्योगों पर बिजली संकट गहरा गया है। बॉबी जिंदल ने कहा कि हर साल जून और जुलाई के दौरान बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए सरकार अतिरिक्त बिजली खरीदती रही है, ताकि उद्योगों को निर्बाध आपूर्ति मिल सके। उनका आरोप है कि इस वर्ष पर्याप्त बिजली नहीं खरीदी गई, जिसके चलते औद्योगिक क्षेत्रों में लंबे बिजली कट लगाए जा रहे हैं। इससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है और उद्योगपतियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि उद्योगों को लगातार बिजली नहीं मिलेगी तो उत्पादन, निवेश और रोजगार तीनों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उनका आरोप है कि सरकार उद्योगों की जरूरतों को नजरअंदाज कर चुनावी लाभ के लिए महिलाओं को आर्थिक सहायता देने को प्राथमिकता दे रही है।

जीएसटी के नौ साल पूरे, हरियाणा ने राजस्व वृद्धि में दिखाई मजबूत पकड़

पंचकूला/यूटर्न/01 जुलाई। माल एवं सेवा कर अधिनियम के सफल कार्यान्वयन के नौ वर्ष पूरे होने पर हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा पंचकूला में विशेष समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आबकारी एवं कराधान आयुक्त एवं सचिव आशिमा बरार ने की। समारोह में आबकारी एवं कराधान आयुक्त विनय प्रताप सिंह, विभागीय अधिकारी, सीए, टैक्स बार सदस्य, कर व्यवसायी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आशिमा बरार ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद हरियाणा ने राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2018-19 से 2024-25 के बीच राज्य का राजस्व दोगुना से अधिक हो गया।

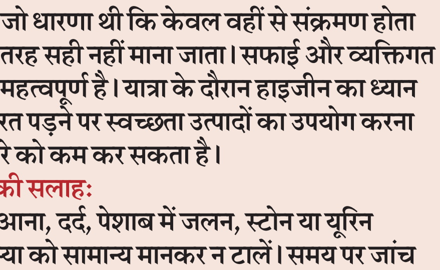

पेज 06 भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा और उनकी सेवा...

बुड्ढे दरिया में गोबर डालने वालों पर सख्ती की तैयारी, सीचेवाल ने दिए कड़े निर्देश

लुधियाना/यूटर्न/01 जुलाई। राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने बुड्ढे दरिया पुनर्जीवन प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को डेरियों से निकलने वाले गोबर और कचरे को दरिया में जाने से रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम जोन-डी कार्यालय में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि जो भी डेयरी मालिक बुड्ढे दरिया में गोबर फेंक रहे हैं, उनके खिलाफ शिकंजा कसा जाए और जरूरत पड़ने पर पर्यावरण मुआवजा लगाया जाए।

सीचेवाल ने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ऐसे मामलों में तुरंत कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने पीएसपीसीएल अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि नियम तोड़ने वालों के बिजली कनेक्शन काटने सहित कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शहर के अंदर या बाहर, कोई भी व्यक्ति अगर दरिया में कचरा डालता है तो उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। बैठक में नगर निगम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पावरकॉम, सीवरेज बोर्ड और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब टैक्सेशन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 97 अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। पंजाब सरकार ने एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग में व्यापक स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 97 अधिकारियों के तबादले और नई तैनातियों के आदेश जारी किए हैं। विभाग के अनुसार यह फैसला सार्वजनिक हित और एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नरेट के कामकाज को और सुचारू बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। जारी आदेश में एसीएसटी और ईओ स्तर के अधिकारियों की पोस्टिंग बदली गई है। कई अधिकारियों को खाली पड़े पदों पर नियुक्त किया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों के अतिरिक्त चार्ज को नियमित किया गया है। अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, जालंधर, कपूरथला, रोपड़, एसएएस नगर, मोगा, मानसा, फाजिल्का और श्री मुक्तसर साहिब सहित कई जिलों में यह बदलाव किए गए हैं। लुधियाना में भी विभागीय ढांचे को मजबूत करने के लिए कई अहम तैनातियां की गई हैं। काली चरण, बलदीप करन सिंह और रणधीर सिंह को एसीएसटी लुधियाना-1 में लगाया गया है। गुरप्रीत सिंह गिल और अमनप्रीत सिंह को एसीएसटी लुधियाना-2, जबकि मुक्ति गुप्ता, डेजी गुलेरिया और हुकम चंद बंसल को एसीएसटी लुधियाना-3 में तैनात किया गया है। कंवरवीर सिंह और रजनी देवगन को एसीएसटी लुधियाना-5 की जिम्मेदारी दी गई है। एसएएस नगर में भी बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। सुनीता गर्ग, परदीप सिंगला, टीना बंसल और राजीव शर्मा को एसीएसटी एसएएस नगर-1 में तैनात किया गया है। वहीं जस्पिंदर कौर, विक्रम भाटिया, रजनी मुखेजा, नवजोत सिंह, संदीप सिंह और अमनदीप गर्ग को एसीएसटी एसएएस नगर-2 में नियुक्त किया गया है। प्रियंका गोयल, हरजोत सिंह, खुशवंत सिंह, सरबजीत सिंह, अशोक कुमार और रजनीश सैनी को एसीएसटी एसएएस नगर-3 में भेजा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकारी तुरंत अपने नए पदस्थापन स्थानों पर रिलीव होकर ज्वाइन करें। यह आदेश प्रशासनिक सचिव टैक्सेशन अजीत बालाजी जोशी की ओर से जारी किए गए हैं।

फीको ने नीदरलैंड्स में औद्योगिक दौरे के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

लुधियाना/यूटर्न/01 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2026 के अवसर पर फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन (फीको) ने अपने यूरोप दौरे के दौरान नीदरलैंड्स स्थित हॉलैंड मैकेनिक्स के औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व फीको अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह कुलार और प्रतिनिधिमंडल के नेता राजेश सेठ ने किया। इस अवसर पर सरदार गुरमीत सिंह कुलार ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस का विषय 'नवाचार एवं सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाना' भारतीय उद्योगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थान बनाने के लिए भारतीय एमएसएमई को आधुनिक तकनीक, नवाचार और सतत विनिर्माण प्रक्रियाओं को अपनाना होगा। प्रतिनिधिमंडल ने हॉलैंड मैकेनिक्स के अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का दौरा किया। यह कंपनी साइकिल व्हील-बिल्डिंग मशीनरी और साइकिल असेंबली समाधानों के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। उद्यमियों ने वहां स्वचालित उत्पादन प्रणाली, प्रिसिजन इंजीनियरिंग और नवीन विनिर्माण तकनीकों का अवलोकन किया। कुलार ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक दौरे भारतीय साइकिल उद्योग के लिए नई सीख और अवसर लेकर आते हैं। इससे गुणवत्ता, उत्पादकता और तकनीकी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि फीको भविष्य में भी एमएसएमई के हित में वैश्विक तकनीकी सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देता रहेगा।

विधायक बग्गा के प्रयासों से हल्का उतरी में संत समाज के सान्धिय में सनातन भवन का हुआ शिलान्यास

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा के प्रयासों से विधानसभा उत्तरी स्थित छावनी मोहल्ला में सनातन भवन का भूमि पूजन सिद्धपीठ दंडी स्वामी मंदिर के सेवक पंडित श्री राज कुमार जी के सान्धिय में आयोजित समारोह में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान से स्वामी गुरुकृपानंद, स्वामी प्रकाशानंद, महंत दिनेश पुरी, मां बगलामुखी धाम प्रमुख महंत प्रवीण चौधरी, स्वामी सुखपाल महाराज, गुरूदेव आनन्द अत्री,धमार्चार्य पंडित अजय वशिष्ठ, पंडित विशाल कृष्ण शास्त्री, संत सरवण दास, बाबा सतनाम सिंह, माता विपनप्रीत कौर, बाबा मीना शाह, स्वामी सुमेधा, स्वामी विश्व भारती, बाबा कुलवंत भल्ला प्रेम बाई जी, पंडित ओम प्रकाश, परनीत गिल, रोमी भल्ला सहित अन्य संतो ने करवाया। जबकि 1.30 करोड़ से बनने वाले सनातन भवन की आधारशिला आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसौदिया, कैबिनट मंत्री अमन अरोड़ा, कैबिनट मंत्री हरदीप मुंडिया व विधायक मदन लाल बग्गा ने गगनचुंबी जयघोषो के साथ संयुक्त रुप से रखी। सिद्धपीठ सेवक अश्वनी ग्रोवर, सोमनाथ बब्बू, संदीप लांबा, पंडित दीपक शर्मा व बृजमोहन ढींगड़ा ने हरिनाम संकीर्तन कर भाव विभोर किया। मनीष सिसौदिया ने विधायक बग्गा की तरफ से सनातन भवन का शिल्पकार बताते हुए भवन निर्माण के लिए किए प्रयासों पर बधाई देते हुए कहा विधायक बग्गा राजनितिज्ञ के साथ-साथ धर्म परायण शख्शियत हैं। अमन अरोड़ा ने कहा धर्म के बिना राजनिति अधूरी है। सनातन धर्म में भगवान राम का राज्य इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस अवसर पर विधायक अशोक पराशर पप्पी, मेयर इंद्रजीत कौर, डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, नगर निगम कमिश्नर औजस्वी अलंकार, सी.डिप्टी मेयर राकेश पराशर,जोनल कमिश्नर नीरज जैन, पार्षद अमन बग्गा, गौरव बग्गा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष डिंपल राणा, शिव सेना पंजाब के अध्यक्ष राजीव टंडन, ट्रेड कमीशन के चैयरमैन राजू चावला, धमिन्द्र खेड़ा, अनुज मदान, रविंनदन शर्मा, पार्षद अशोक कुमार, पुष्पेन्द्र भनोट, बिट्टू भारद्धाज, लाला सुरिन्द्र अटवाल, नीरज आहूजा बूटा, तजिन्द्र कौर राजा, मनजीत ढिल्लो,शरणजीत कौर बाजवा, हरजिन्द्र सिंह बाली, दशमेश सिंह, मौजूद थे।

घड़ुआं को इंडस्ट्रियल-कमर्शियल हब बनाने की तैयारी, कई गांवों का लैंड यूज बदलने का प्रस्ताव

मोहाली/यूटर्न/01 जुलाई। जिले के घड़ुआं और आसपास के इलाकों की तस्वीर आने वाले समय में बदल सकती है। ड्राफ्ट लैंड यूज प्लान के अनुसार इस क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने की तैयारी की जा रही है। प्रस्ताव में घड़ुआं को इंडस्ट्रियल और कमर्शियल गतिविधियों के लिए अहम क्षेत्र के रूप में देखा गया है, जिससे आने वाले समय में यहां निवेश, रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।

प्लान के मुताबिक घड़ुआं, मामूपुर, सकरुलापुर, बरौली, हसनपुर, रूड़की पुख्ता, सिम्बल माजरा और पीर सुहाना को रिहायशी जोन के रूप में प्रस्तावित किया गया है। इसका मतलब है कि इन क्षेत्रों में भविष्य में आवासीय कॉलोनियों, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की संभावना बन सकती है। वहीं माछीपुर, थेड़ी, सिल कपड़ा, बत्ता, बीबीपुर, रोड़ा, बजहेड़ी, महमूदपुर और सोतल गांवों को कृषि जोन में रखने का प्रस्ताव है, ताकि खेती योग्य जमीनों की पहचान और उपयोग को संरक्षित रखा जा सके।

सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव सिल और गडांगा गांवों की सरकारी जमीन को इंडस्ट्रियल जोन के रूप में विकसित करने का है। यदि यह योजना लागू होती है, तो क्षेत्र में छोटे-बड़े उद्योग, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और कमर्शियल यूनिट्स को बढ़ावा मिल सकता है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आसपास के गांवों की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। हालांकि विकास के इस मॉडल के साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हैं। सड़क नेटवर्क, पानी की सप्लाई, सीवरेज, ट्रैफिक प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन पर विशेष ध्यान देना होगा। स्थानीय लोगों की राय और आपत्तियों को शामिल किए बिना योजना लागू करना भविष्य में विवाद का कारण बन सकता है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि सरकार और संबंधित विभाग इस ड्राफ्ट प्लान को कितनी पारदर्शिता और जनहित के साथ लागू करते हैं।

सरकारी एजेंसी ही टैक्स रिकॉर्ड में फंसी, मोहाली निगम की वसूली पर बड़ा सवाल

मोहाली/यूटर्न/01 जुलाई। प्रॉपर्टी टैक्स वसूली का मामला अब सिर्फ बिल्डरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सरकारी एजेंसियों की जवाबदेही पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। नगर निगम जहां बिल्डरों से 1000 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली के लिए नोटिस जारी कर रहा है, वहीं गमाडा खुद अपनी संपत्तियों का पूरा रिकॉर्ड और बकाया टैक्स स्पष्ट करने में पीछे बताया जा रहा है।

नया सवाल यह है कि अगर सरकारी एजेंसी ही अपनी संपत्तियों का ब्यौरा समय पर उपलब्ध नहीं कराएगी, तो आम टैक्सपेयर और बिल्डरों से पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जाएगी? निगम के नोटिसों के बावजूद गमाडा द्वारा टैक्स जमा न करवाना और रिकॉर्ड अधूरा रखना प्रशासनिक तालमेल की बड़ी कमी को दिखाता है।

यह मामला मोहाली के विकास मॉडल पर भी सवाल उठाता है। शहर में बड़े प्रोजेक्ट, कमर्शियल साइटें और रिहायशी सेक्टर लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन राजस्व वसूली की व्यवस्था कमजोर नजर आ रही है। अगर करोड़ों रुपये का टैक्स सरकारी विभागों और बड़े संस्थानों से अटका रहेगा, तो इसका असर शहर की सड़कों, सफाई, स्ट्रीट लाइट और बुनियादी सुविधाओं पर पड़ेगा।

अब जरूरत है कि निगम और गमाडा के बीच संपत्तियों का डिजिटल मिलान हो और सभी बकायेदारों से समान नियमों के तहत वसूली की जाए।

रोटरी क्लब ने डॉक्टर व सीए दिवस पर समाजसेवी हस्तियों को किया सम्मानित

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जुलाई। रोटरी क्लब डेराबस्सी टाउन की नई टीम ने मंगलवार को नेशनल डॉक्टर्स डे और नेशनल चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के उपलक्ष्य में समाज के लिए सराहनीय योगदान देने वाली प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया। क्लब ने अपने नए रोटरी वर्ष की शुरूआत सेवा और सम्मान के भाव के साथ करते हुए स्वास्थ्य और पेशेवर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों की हौसला अफजाई की। समारोह के दौरान जिला अस्पताल मोहाली के सेवानिवृत्त एसएमओ डा. हरमिंदर सिंह चीमा को सरकारी सेवा के दौरान ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ दी गई स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 'रोटरी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। वहीं सिविल अस्पताल डेराबस्सी के एसएमओ डा. धर्मिंदर सिंह को क्षेत्रवासियों की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'अवार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया गया। चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के अवसर पर डेराबस्सी क्षेत्र के पहले सीए बनने का गौरव प्राप्त करने वाले मदन कुमार चंडीगढ़ को भी समाज और पेशे के प्रति योगदान के लिए विशेष तौर पर सम्मानित किया गया।

Mohali Guava Orchard Scam: फर्जी बाग दिखाकर 147 करोड़ की मुआवजा लूट का आरोप

मोहाली/यूटर्न/01 जुलाई। मोहाली का कथित अमरूद बाग घोटाला पंजाब के शहरी विकास मॉडल और प्रशासनिक निगरानी पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। आरोप है कि अधिग्रहित की गई जमीन पर फर्जी अमरूद के बाग दिखाकर करीब 147 करोड़ रुपये का मुआवजा हासिल किया गया। यह मामला इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि इसमें सिर्फ कागजी हेराफेरी नहीं, बल्कि सिस्टम की मिलीभगत और कमजोर जांच प्रक्रिया के संकेत भी सामने आते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन जमीनों पर वास्तविक खेती या बाग नहीं थे, वहां रिकॉर्ड में बाग दिखाकर मुआवजे की राशि बढ़ाई गई। इस कथित खेल में कुछ अधिकारियों, प्रभावशाली लोगों और लाभार्थियों की भूमिका सवालों के घेरे में है। सबसे बड़ा नुकसान उन असली किसानों और प्रॉपर्टी खरीदारों को हुआ, जो अब इस घोटाले की प्रशासनिक उलझनों में फंस गए हैं।

यह घोटाला सिर्फ पैसों की लूट नहीं, बल्कि पंजाब के सबसे बड़े शहरी ड्रीम प्रोजेक्ट्स की रफ्तार पर ब्रेक लगाने जैसा है। अगर अधिग्रहण और मुआवजा प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होगी, तो निवेशकों और आम लोगों का भरोसा कमजोर होगा। अब जरूरत है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों की संपत्ति जब्त हो और वास्तविक प्रभावित लोगों को न्याय मिले।

हरियाणा विधानसभा में रक्तदान शिविर, 122 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। चंडीगढ़ रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से बुधवार को हरियाणा विधानसभा परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त एवं चंडीगढ़ रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष निशांत कुमार यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 122 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी की नोडल अधिकारी एवं अधीक्षक पूनम मलिक ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद, आईएएस अधिकारी पंकज तथा हरियाणा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर जोर दिया। रक्त संग्रहण और रक्तदान की पूरी प्रक्रिया का संचालन जीएमसीएच-32 (गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) की विशेषज्ञ टीम ने किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं के स्वास्थ्य संबंधी सभी मानकों का पालन किया गया।

शिविर में विश्वास फाउंडेशन ने रक्तदाताओं के लिए अल्पाहार और स्मृति उपहार की व्यवस्था की। रेड क्रॉस सोसायटी ने बताया कि रक्तदान शिविर को लोगों का उत्साहजनक सहयोग मिला, जिसके चलते 122 से अधिक यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। चंडीगढ़ रेड क्रॉस सोसायटी ने सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं, विश्वास फाउंडेशन, जीएमसीएच-32 की टीम तथा कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

पेज 12 डायलिसिस मरीजों के लिए इनर व्हील क्लब ने...

कोर्ट ने रिश्वत मामले में हरियाणा कैडर आईपीएस अधिकारी को 1 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

चंडीगढ़/यूटर्न/1 जुलाई। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को हरियाणा कैडर के सीनियर आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को एक दिन के लिए सीबीआई की कस्टडी में भेज दिया। उन्हें नकली दवा बनाने वाले रैकेट की जांच के सिलसिले में कथित तौर पर 3 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल जज सुशांत चांगोत्रा ने सीबीआई की पांच दिन की कस्टडी में पूछताछ की अर्जी को खारिज करते हुए गहलावत से एक दिन पूछताछ करने की इजाजत दी। 2012 बैच के हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी गहलावत, जो अभी ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) में सेंट्रल डेप्युटेशन पर तैनात हैं, को गिरफ्तारी के बाद अदालत में पेश किया गया था।

आधिकारिक पद का गलत इस्तेमाल किया

सीबीआई के अनुसार, अधिकारी ने कथित तौर पर अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल कुछ आरोपियों को बचाने और उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए किया। एजेंसी ने अदालत को बताया कि पैसे के लेन-देन का पता लगाने, दूसरे लाभार्थियों की पहचान करने और डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय दस्तावेजों सहित अहम सबूत बरामद करने के लिए कस्टडी में पूछताछ जरूरी थी। हालांकि, अदालत ने केवल एक दिन की कस्टडी की मंजूरी दी।

नकली दवा नेटवर्क से जुड़ा है मामला

यह मामला नकली दवा बनाने वाले नेटवर्क की सीबीआई जांच से जुड़ा है, जिस पर नकली दवाएं बनाने और बांटने का आरोप है। जांच के दौरान, एजेंसी को कथित तौर पर ऐसे सबूत मिले जिनसे पता चलता है कि गहलावत ने रैकेट से जुड़े लोगों को अनुचित फायदा पहुंचाने और जांच की दिशा को प्रभावित करने के बदले में लगभग 3 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी और ली थी।

हरियाणा के मुख्य सचिव को दिसंबर तक सेवा में दूसरा विस्तार मिला

चंडीगढ़/यूटर्न/1 जुलाई। केंद्र सरकार ने हरियाणा सरकार की सिफारिश पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को सेवा में दूसरा विस्तार दिया है, जिससे यह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी 31 दिसंबर, 2026 तक यानी अगले छह महीने और अपने पद पर बने रहेंगे। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा मंजूर किया गया यह विस्तार रस्तोगी के पहले के एक साल के विस्तार के 30 जून को खत्म होने के बाद मिला है। नया आदेश 'ऑल इंडिया सर्विसेज (डेथ-कम-रिटायरमेंट बेनिफिट्स) रूल्स, 1958' के नियम 16(1) में ढील देते हुए उनके कार्यकाल को 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक बढ़ाता है। 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक

सेवा (आईएएस) अधिकारी रस्तोगी मूल रूप से जून 2025 में रिटायर होने वाले थे। हालांकि, केंद्र ने पिछले साल हरियाणा सरकार के अनुरोध पर उन्हें एक साल का विस्तार दिया था, जिससे वे रिटायरमेंट के बाद भी राज्य के शीर्ष नौकरशाह के तौर पर काम करते रहे।

प्रशासनिक निरंतरता की जरूरत का हवाला...सीएम नायब सैनी के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रशासनिक निरंतरता की जरूरत का हवाला देते हुए रस्तोगी के लिए एक और विस्तार की मांग की थी। केंद्र द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद, अब वे दिसंबर के आखिर तक मुख्य सचिव बने रहेंगे। इस विस्तार का असर हरियाणा के शीर्ष नौकरशाही पद के उत्तराधिकार पर पड़ने की उम्मीद है। उनके बैच के साथी सुधीर राजपाल और राजा शेखर वुंदरू समेत कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रिटायर होने वाले हैं। 1990 बैच की एक और अधिकारी सुमिता मिश्रा, जो जनवरी 2027 में रिटायर होने वाली हैं, रस्तोगी का कार्यकाल खत्म होने के बाद मुख्य सचिव के पद की दौड़ में शामिल हो सकती हैं।

चंडीगढ़ नगर निगम ने शुरू की साप्ताहिक वार्ड समीक्षा व्यवस्था, मुख्य अभियंता ने मानसून तैयारियों का लिया जायजा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। मानसून के दौरान शहर में जलभराव और अन्य नागरिक समस्याओं से निपटने के लिए नगर निगम ने नई साप्ताहिक समीक्षा व्यवस्था शुरू की है। बुधवार को मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने वार्ड नंबर 1, 2, 33, 34 और 35 के पार्षदों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों और मानसून तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में पार्षद महेशिंदर सिंह सिद्धू, जसविंदर कौर और कंवरजीत सिंह सहित विभिन्न इंजीनियरिंग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान बरसाती नालों की सफाई, जलभराव रोकने के उपाय, सड़कों की मरम्मत और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़े विकास कार्यों और जनता की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएं और लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव हो, उन्हें तत्काल निपटाया जाए, जबकि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द निस्तारण किया जाए।

बैठक में मुख्य अभियंता ने बताया कि नगर निगम ने हर बुधवार साप्ताहिक वार्ड समीक्षा तंत्र शुरू किया है। इसके तहत प्रत्येक सप्ताह पांच वार्डों के पार्षद संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति, जनसमस्याओं और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा करेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, फील्ड स्तर पर जवाबदेही बढ़ाना और शहर में विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना है।

चंडीगढ़ में अवैध रेहड़ी-फड़ी वालों पर नगर निगम की कार्रवाई, 63 चालान काटे

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। नगर निगम ने बुधवार को शहर में अवैध रेहड़ी-फड़ी और अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 63 चालान किए। यह कार्रवाई सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखने और लोगों की आवाजाही सुचारु बनाने के उद्देश्य से की गई। नगर निगम की प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) टीम ने सुखना लेक, रॉक गार्डन, बर्ड पार्क क्षेत्र, नया गांव बैरियर, बुरैल और कजहेड़ी सहित विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया। इस दौरान बिना अनुमति के कारोबार कर रहे रेहड़ी-फड़ी वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई और अवैध अतिक्रमण हटाए गए। अभियान के दौरान नगर निगम ने नगर निगम नियमों के उल्लंघन पर कुल 63 चालान जारी किए। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की गई और इसमें एनफोर्समेंट स्टाफ ने सहयोग किया। नगर निगम ने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखने, पैदल यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने, स्वच्छता बनाए रखने और नागरिक अनुशासन को मजबूत करने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

3 जुलाई तक पूरा करें डिजिटल रुपया ऐप का रजिस्ट्रेशन, नहीं तो अटक सकती है राशन सब्सिडी

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। चंडीगढ़ के हजारों राशन कार्ड धारकों के लिए खाद्यान्न सब्सिडी लेने की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। भारत सरकार के नए निर्देशों के तहत अब लाभार्थियों को सब्सिडी सीधे बैंक खाते में नहीं, बल्कि पीएनबी डिजिटल रुपया (PNB Digital Rupee) मोबाइल ऐप के माध्यम से मिलेगी। प्रशासन ने सभी पात्र लाभार्थियों को 3 जुलाई 2026 तक ऐप डाउनलोड कर उसे सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। तय समय तक प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर सब्सिडी मिलने में दिक्कत आ सकती है। शहर में लगभग 75 हजार राशन कार्ड धारक इस योजना के दायरे में हैं। प्रशासन के अनुसार अब तक 45 हजार से अधिक लाभार्थी ऐप डाउनलोड कर अपना पंजीकरण पूरा कर चुके हैं, जबकि करीब 30 हजार लोगों ने अभी तक डिजिटल प्रक्रिया पूरी नहीं की है।

इन लंबित लाभार्थियों की सुविधा के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने शहर के विभिन्न इलाकों में विशेष सहायता शिविर शुरू किए हैं। रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित इन शिविरों में लाभार्थियों का पंजीकरण किया जा रहा है और डिजिटल रुपया ऐप सक्रिय कराया जा रहा है। सबसे अधिक लंबित पंजीकरण विकास नगर (मौली जागरां), मनीमाजरा, धनास, मलोया, सेक्टर-25, बुरैल, सेक्टर-52/कजहेड़ी, सेक्टर-56/पलसोरा, राम दरबार और बापू धाम कॉलोनी में हैं। इन क्षेत्रों के सामुदायिक केंद्रों में विशेष शिविर लगाए गए हैं। प्रशासन ने बताया कि लाभार्थियों को शिविर में आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ पहुंचना होगा। जिन लोगों ने पहले ही आवश्यक दस्तावेज जमा करा दिए हैं, वे घर बैठे भी पीएनबी डिजिटल रुपया ऐप डाउनलोड कर पंजीकरण पूरा कर सकते हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने लाभार्थियों की सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1800-180-2068 भी जारी की है।

भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा और उनकी सेवा से जुड़ना अत्यंत सौभाग्य की बात : विकास पासी

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह : राजेश ढांडा

लुधियाना/यूटर्न/01 जुलाई। इस्कॉन एवं भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी द्वारा 16 जुलाई, दिन वीरवार को आयोजित की जा रही भगवान श्री जगन्नाथ जी की 30वीं विशाल, भव्य एवं ऐतिहासिक रथयात्रा के सफल आयोजन को लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। बुधवार को कमेटी सदस्यों ने एप्पल हाइट के विकास पासी, जोगिन्द्र मित्तल काका, पुनीत गुप्ता, विवेक गुप्ता, कैलाश लड्ढा, भूषण जिंदल से भेंट कर उन्हें रथयात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

एप्पल हाइट के विकास पासी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा और उनकी सेवा से जुडना अत्यंत सौभाग्य की बात है। रथयात्रा में सेवा करने वाले प्रत्येक जीव को आध्यात्मिक संतोष के साथ भगवान का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने युवाओं से भी बढ़-चढकर सेवा कार्यों में भाग लेने की अपील की। कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा ने श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ, भाई बलदेव और बहन सुभद्रा के दिव्य दर्शन का महत्व बताते हुए कहा कि रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता का भव्य उत्सव है। लोगों ने अभियान का स्वागत करते हुए रथयात्रा को सफल बनाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

निमंत्रण के दौरान कमेटी के महासचिव संजीव सूद बांका ने कहा कि इस वर्ष रथयात्रा को लेकर शहरवासियों में पहले से अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ जी के दिव्य रथ के दर्शन एवं सेवा का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सनातन प्रेमी को इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनना चाहिए।

छप्पन भोग का प्रसाद होगा वितरित : पुनीत सिंगला

निमंत्रण स्वीकार करते हुए पुनीत सिंगला ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी को अर्पित किए जाने वाले छप्पन भोग का प्रसाद रथयात्रा में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान का महाप्रसाद सभी भक्तों के लिए कृपा एवं मंगल का प्रतीक है।

रथ मार्ग की झाडू सेवा का विशेष महत्व : जोगिन्द्र मित्तल

परम गौ सेवक जोगिन्द्र मित्तल ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में झाडू सेवा विनम्रता, सेवा और समर्पण का संदेश देती है। यह परंपरा हमें सिखाती है कि ईश्वर की सेवा में सभी समान हैं और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी और जलवायु परिवर्तन से कुछ सीखिए।

हाल ही में यूरोप के कई देशों में तापमान हमारे देश के कई क्षेत्रों से कम होने के बावजूद इतनी भीषण गर्मी महसूस की गई कि लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हो गया। इसका मुख्य कारण वहाँ की जलवायु, भवनों की बनावट और लंबे समय तक ठंडे मौसम की आदत है। यह स्थिति स्पष्ट रूप से बताती है कि पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन तेजी से अपना प्रभाव दिखा रहा है। आज मौसम का अचानक बदलना, कहीं अत्यधिक गर्मी, कहीं बाढ़, कहीं सूखा और कहीं जंगलों में आग लगना, सब ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर संकेत हैं। वैज्ञानिक वर्षों से चेतावनी देते आ रहे हैं कि यदि समय रहते प्रदूषण, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो प्राकृतिक आपदाएँ और भी बढ़ सकती हैं।

प्रकृति हमें लगातार संकेत दे रही है कि अब संभलने का समय है। यदि मनुष्य अपनी आदतों में बदलाव नहीं लाएगा, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका और भी गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, ऊर्जा की बचत करनी चाहिए, प्लास्टिक का कम उपयोग करना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए। समय रहते उठाया गया हर छोटा कदम पृथ्वी और मानव जीवन को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या पत्नी पति के Business में अपने आप Partner बन जाती है ?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

विवाह के बाद कई लोग यह मान लेते हैं कि यदि पति कोई व्यापार (Business) करता है, तो पत्नी अपने आप उसकी Partner या सह-मालिक (Co-owner) बन जाती है। लेकिन कानूनी स्थिति इससे अलग है।

केवल विवाह हो जाने से पत्नी किसी Business की Partner नहीं बन जाती। किसी भी व्यापार में साझेदारी (Partnership) तभी मानी जाती है, जब उसका नाम Partnership Deed, LLP Agreement, Company Records या अन्य कानूनी दस्तावेजों में शामिल हो।

यदि व्यवसाय Sole Proprietorship है और वह केवल पति के नाम पर है, तो सामान्यतः उसका स्वामित्व उसी का माना जाएगा। हालांकि, यदि पत्नी ने Business में पूंजी (capital) लगाई है, नियमित रूप से कार्य किया है, या उसके नाम पर हिस्सेदारी दर्ज है, तो उसके अधिकार अलग हो सकते हैं। ऐसे मामलों में उपलब्ध दस्तावेज और साक्ष्य महत्वपूर्ण होते हैं।

तलाक या Maintenance के मामलों में अदालत पति की Business Income और आर्थिक स्थिति को अवश्य देख सकती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि पत्नी अपने आप Business की Partner बन जाती है।

कई लोग यह भी समझते हैं कि GST Registration, Shop Licence या Company के Director होने और Partner होने का अर्थ एक ही है, जबकि इन सभी की कानूनी स्थिति अलग-अलग होती है।

निष्कर्ष: शादी होने मात्र से पत्नी पति के Business की Partner या Co-owner नहीं बन जाती। किसी Business में अधिकार उसके कानूनी दस्तावेजों, हिस्सेदारी और वास्तविक योगदान के आधार पर तय होते हैं।

डेराबस्सी से बाबा बफार्नी के दर्शनों को रवाना हुआ 25वीं अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था

'बम-बम भोले' के जयघोष के साथ डेराबस्सी से निकला पहला अमरनाथ यात्रा दल

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जुलाई। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच मंगलवार को डेराबस्सी से श्री अमरनाथ बाबा बफार्नी यात्रा का पहला जत्था श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुआ। यह धार्मिक यात्रा पिछले 25 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है और इस वर्ष इसे 25वीं यात्रा के रूप में विशेष श्रद्धा के साथ शुरू किया गया।

यात्रा पर रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और सभी यात्रियों की सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना की गई। परिवारजनों और स्थानीय लोगों ने यात्रियों का फूल-मालाओं के साथ स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस वर्ष यात्रा में विवेक मोहिंदरू, शुभम जैन, सनी उपनेजा, प्रमोद जैन, अमन राणा, अविनाश सिंह, बलविंदर कुमार, राहुल, धर्मवीर सिंह, जसवीर (जस्सी) और पंकज भटनागर सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं ने कहा कि बाबा बफार्नी के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने बाबा अमरनाथ से देश में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हुए यात्रा का शुभारंभ किया। स्थानीय लोगों ने भी यात्रियों के सकुशल लौटने की कामना की।

वेद मंदिर के बाहर राहगीरों के लिए ठंडे पानी का वॉटर कूलर लगाया

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। दरेसी स्थित वेद मंदिर में भीषण गर्मी और तपिश से राहत दिलाने के लिए स्वामी निगम बोध तीर्थ जी महाराज की अध्यक्षता में मंदिर के बाहर ठंडे पानी का वॉटर कूलर लगाया गया। ये वाटर कूलर समाज सेवक रजनीश गोयल और भुवन गोयल की तरफ से भेंट किया गया। पंडित अमित मिश्रा और विद्यार्थियों ने मंत्रोंचारण के साथ विधिपूर्वक वाटर कूलर का पूजन किया। इस मौके स्वामी निगम बोध तीर्थ जी महाराज ने कहा कि वाटर कूलर लगाने का मुख्य उद्देश्य चिलचिलाती धूप और गर्मी में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं,राहगीरों और स्कूली बच्चों को पीने के लिए ठंडे पानी की सुविधा देना है। इस अवसर पर बिट्टू प्रभाकर, कपिल जोशी, लाड़ी कपूर, प्रकाश पाण्डे आदि मौजूद रहे।

होटल रूम में मिली युवक और युवती की लाशें, दोनों को लगी हुई थी गोली, नहीं हुई पहचान

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। बुधवार शाम खन्ना के होटल ग्रीनवुड के कमरे में युवक-युवती की शकी हालातों में खून से लथपथ लाशें बरामद हुई है। दोनों को गोली लगी हुई है। होटल प्रबंधकों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो लाशों के पास से एक पिस्तौल भी बरामद हुई है।

पुलिस ने लाशें कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दी है। पुलिस शुरूआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस आशंका की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं दोनों मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उनके परिजनों की तलाश कर रही है।

तड़के किया था रुम बुक

जानकारी के अनुसार युवक-युवती की और से बुधवार तड़के ही उक्त होटल में रुम बुक कराया गया था। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि होटल प्रबंधन ने कथित तौर पर दोनों से कोई पहचान पत्र लिए बिना ही रूम दे दिया था। हालांकि अगर इस मामले में होटल स्टॉफ की लापरवाही सामने आती है तो पुलिस उन पर भी एक्शन ले सकती है। स्टॉफ मुताबिक काफी देर तक जब युवक-युवती कमरे से बाहर नहीं आए थे दरवाजा तोड़ा गया। जिसके बाद घटना का पता चला।

पंजाब यूरिया घोटाले में कई अफसरों-कंपनियों पर मामला दर्ज, दिल्ली तक पहुंची जांच, सीएम मान के आदेश पर एक्शन

लुधियाना/यूटर्न/1 जुलाई। पंजाब में सब्सिडी वाले यूरिया के कथित दुरुपयोग के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएम भगवंत मान के निर्देश पर खन्ना के एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने खन्ना कैटल फीड प्लांट के जनरल मैनेजर सुरजीत सिंह भदौड़ सहित अन्य अधिकारियों और यूरिया आपूर्ति करने वाली गिद्दड़बाहा व नई दिल्ली की कंपनियों के मालिकों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर खन्ना के सिटी थाना-2 में कृषि विकास अधिकारी गुरप्रीत कौर के बयान के आधार पर दर्ज हुई है। मामले में गिद्दड़बाहा की एक कंपनी के मालिक और नई दिल्ली की मैसर्स मनीषा ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े लोग भी मामले में शामिल हैं। पुलिस ने जांच तेज कर दी है, और इसमें अन्य अधिकारियों व संबंधित पक्षों को भी नामजद किए जाने की संभावना है।

खन्ना प्लांट जीएम सुरजीत सिंह भदौड़

नीम-कोटेड यूरिया का किया इस्तेमाल

जांच से पता चला कि औद्योगिक उपयोग के लिए आवश्यक टेक्निकल ग्रेड यूरिया के बजाय कृषि उपयोग हेतु सब्सिडी पर मिलने वाले नीम-कोटेड यूरिया का इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि सब्सिडी वाले इस यूरिया को औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उपयोग कर सरकारी सब्सिडी का अनुचित लाभ उठाया गया। इससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान होने की आशंका है।

कृषि विभाग ने लिए थे सैंपल

कृषि विभाग की टीम ने खन्ना कैटल फीड प्लांट में छापा मारकर यूरिया के नमूने लिए थे। जांच में सामने आया कि टेक्निकल ग्रेड यूरिया के बैगों में कृषि उपयोग के लिए सब्सिडी वाला नीम-कोटेड यूरिया भरा गया था। इस मामले में पहले ही खन्ना कैटल फीड प्लांट के जनरल मैनेजर, मैनेजर (एएच), क्वालिटी इंचार्ज, डिप्टी मैनेजर (खरीद एवं स्टोर) और वरिष्ठ सहायक (खरीद प्रभारी) समेत कई अधिकारियों को चार्जशीट किया जा चुका है।

इंडस अस्पताल के सामने खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत, महिला गंभीर

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जुलाई। चंडीगढ़-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंडस अस्पताल के सामने गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल महिला का चंडीगढ़ के सेक्टर-32 अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा सड़क किनारे खड़े ट्रक को भी

अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गांव दप्पर (लालडू) निवासी प्रीत सिंह (25) के रूप में हुई है। वहीं घायल महिला की पहचान गांव दप्पर निवासी संदीप कौर (31) पत्नी हिम्मत सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रीत सिंह जीरकपुर स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत था और गुरुवार सुबह करीब 7 बजे अपनी मोटरसाइकिल पर ड्यूटी के लिए जा रहा था। उसके साथ पड़ोस में रहने वाली संदीप कौर भी सवार थी, जो जीरकपुर के एक निजी स्कूल में कार्यरत है।

देर आए दुरुस्त आए? आप का 1,000 वाला वादा आखिरकार पूरा हुआ

पंजाब में बड़े-बड़े कल्याणकारी वादों के दम पर सत्ता में आने के चार साल बाद, आम आदमी पार्टी (आप) ने आखिरकार अपना सबसे यादगार चुनावी वादा महिलाओं के लिए आर्थिक मदद पूरा करना शुरू कर दिया है। मावां धीयां सत्कार योजना के तहत हर महीने 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को एक हजार रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। यह उस वादे का ही पूरा होना है, जिसने पार्टी के 2022 के चुनाव अभियान को आकार देने में मदद की थी। हजारों महिलाओं के लिए, इस पैसे का महत्व इसके आस-पास की राजनीति से कहीं ज्यादा होगा। थोड़ी ही सही, लेकिन पक्की मासिक आय से घर के खर्चों में आसानी हो सकती है, आर्थिक आजादी बढ़ सकती है और सम्मान का एहसास हो सकता है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

महंगाई, बेरोजगारी और खेती-किसानी की मुश्किलों से जूझ रहे राज्य में, हर अतिरिक्त रुपया मायने रखता है। फिर भी, राजनीति में इरादे और समय को शायद ही कभी अलग-अलग देखा जाता है।

बहुत से वोटर एक सीधा सा सवाल पूछेंगे: अभी क्यों?

यह वादा आप द्वारा 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए शुरूआती और सबसे जोरदार वादों में से एक था। इसके बाद दी गई कई तरह की दलीलें, जैसे कि खराब आर्थिक स्थिति या खर्च की दूसरी जरूरी प्राथमिकताएं भले ही सही रही हों, लेकिन इनसे जनता की यह सोच नहीं बदली कि पार्टी का एक अहम वादा अधूरा पड़ा है। सरकारों को सिर्फ.इस आधार पर नहीं आंका जाता कि वे आखिर में क्या देती हैं, बल्कि इस आधार पर भी कि वे उसे कब देती हैं।

पंजाब में अगले चुनावी दौर से कुछ ही महीने पहले इस योजना को शुरू करने से राजनीतिक टाइमिंग को लेकर सवाल उठना लाज़िमी है। विपक्ष ने इसे पहले ही चुनावी तोहफा करार दिया है। दूसरी ओर, सरकार का तर्क है कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए सावधानीपूर्वक वित्तीय योजना की जरूरत होती है और उसने जल्दबाजी में लागू करने के बजाय योजना को लंबे समय तक चलाने (सस्टेनेबिलिटी) को प्राथमिकता दी। बड़ा राजनीतिक सवाल यह है कि क्या देर से मिली मदद से भरोसा फिर से कायम हो पाएगा। वोटर अक्सर वादों को तो लंबे समय तक याद रखते हैं, लेकिन देरी के मामले में उनका सब्र जल्दी जवाब दे जाता है। हालांकि फायदा पाने वाली महिलाएं शायद इस मदद का स्वागत करेंगी, लेकिन कई लोगों के मन में यह सवाल भी हो सकता है कि उन्हें उस चीज के लिए सरकार के कार्यकाल का ज्यादातर समय क्यों इंतजार करना पड़ा, जिसका वादा शुरू से ही किया गया था।

एक और बारीक बदलाव भी है। चुनाव अभियान के दौरान किए गए मूल वादे को आम तौर पर हर वयस्क महिला के लिए 1,000 प्रति माह के तौर पर समझा गया था। अब जो योजना शुरू की गई है, उसमें पात्रता की शर्तें और कुछ लोगों को बाहर रखने के नियम भी शामिल हैं। इससे यह योजना आर्थिक रूप से तो संभालने लायक बन गई है, लेकिन राजनीतिक रूप से उस वादे से अलग हो गई है जो चुनाव अभियान के दौरान लोगों के बीच लोकप्रिय हुआ था।

क्या इससे आप को चुनावी फायदा होगा? लगभग निश्चित रूप से, कुछ हद तक तो होगा ही। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) से सरकार और लाभार्थियों के बीच सीधा और ठोस संबंध बनता है। यह कितना निर्णायक साबित होता है, यह अलग बात है। आखिरकार, 'मावां धियां सत्कार योजना' एक पूरा किए गए वादे और देरी की कीमत की याद दिलाने वाली पहल, दोनों ही है। पंजाब की महिलाएं इसे सरकार द्वारा अपनी बात रखने के तौर पर देखती हैं या फिर चुनाव के समय याद किए गए वादे के तौर पर, इसी बात से तय होगा कि आप को आखिरकार इससे कितना राजनीतिक फायदा मिलता है।

नारायणगढ़ को विकास की बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री सैनी ने की घोषणाओं की झड़ी

विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा, क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मिलेगा नया आयाम

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को जिला अंबाला के नारायणगढ़ स्थित अनाज मंडी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन के निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की। जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री का स्वागत स्थानीय विधायक शैली चौधरी एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी द्वारा किया गया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की विभिन्न विकास परियोजनाओं को लेकर मांग पत्र भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कई परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में स्केटिंग ट्रैक बनवाने, गांव लखनौरा से खानपुर

लुबाना तक सड़क निर्माण, पजनलासा से अहमदपुर तक सड़क निर्माण तथा नारायणगढ़ अनाज मंडी के सामने हुसनातन मैदानह विकसित करने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने शहजादपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने, लौटो से डुमावाला तक सड़क निर्माण तथा मारकंडा नदी पर पुल की फिजिबिलिटी जांच के बाद निर्माण कराने की बात कही। उन्होंने गांव कड़ासन में फ्लाईओवर के निर्माण हेतु एनएचएआई से फिजिबिलिटी जांच कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजकीय महिला आईटीआई हुसैनी मार्ग के लिए भूमि उपलब्ध होने पर भवन का निर्माण किया जाएगा तथा नारायणगढ़ एवं शहजादपुर में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव, विधायक शैली चौधरी, स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. आर.एस. ढिल्लो, पूर्व मंत्री असीम गोयल सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ट्राइसिटी में मानसून की धमाकेदार एंट्री: झमाझम बारिश से गर्मी हुई गायब

6 जुलाई तक भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। ट्राइसिटी में बुधवार को मानसून ने जोरदार दस्तक देते हुए मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। सुबह तड़के शुरू हुई तेज बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली ठंडी हवाओं ने कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। बारिश के चलते शहर की सड़कें भीग गई और तापमान में अचानक आई गिरावट से पूरे दिन मौसम खुशनुमा बना रहा। लंबे समय बाद लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली और पार्कों, सड़कों व

बाजारों में मौसम का आनंद लेते नजर आए।

बारिश का असर शहर के तापमान पर भी साफ दिखाई दिया। पिछले कई दिनों से अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा था, लेकिन बुधवार को यह गिरकर 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। तापमान में करीब 10 डिग्री तक की गिरावट आने से वातावरण में ठंडक घुल गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की सक्रियता बढ़ने के कारण आने वाले दिनों में भी तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। हालांकि बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी, लेकिन कई निचले इलाकों में जलभराव और धीमी यातायात की समस्या भी देखने को मिली।

डेंगू पर हरियाणा सरकार अलर्ट: सरकारी अस्पतालों में मुफ्त प्लेटलेट्स और जांच सुविधा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। मानसून की शुरूआत के साथ हरियाणा सरकार ने डेंगू की रोकथाम को लेकर अभियान तेज कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने और जुलाई महीने को 'डेंगू रोधी महीने' के रूप में मनाने की अपील की है। उन्होंने 'आओ मिलकर डेंगू रोकें' का संदेश देते हुए लोगों से घरों और आसपास पानी जमा न होने देने का आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो दिन के समय सक्रिय रहता है और साफ जमा पानी में पनपता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सावधानी बरती जाए तो इस बीमारी को रोका जा सकता

है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर रविवार घरों में और हर शुक्रवार कार्यालयों में 'सुखा दिवस' मनाएं। इस दौरान कूलर, पानी की टंकियां, गमले, फ्रिज की ट्रे और अन्य पानी जमा होने वाले स्थानों को खाली कर कम से कम 24 घंटे तक सूखा रखें ताकि मच्छरों के अंडे और लार्वा नष्ट हो सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने छतों पर रखी पानी की टंकियों को ढककर रखने, बेकार प्लास्टिक, पुराने टायर और नारियल के खोल जैसी वस्तुओं को हटाने तथा आसपास बने गड्ढों को भरने की सलाह दी। साथ ही पूरी बाजू के कपड़े पहनने और मच्छर रोधी उपाय अपनाने की भी अपील की। सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य के प्रत्येक जिले के नागरिक अस्पताल में प्लेटलेट्स की सुविधा पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध है। इसके अलावा सभी जिलों में 27 सरकारी डेंगू जांच प्रयोगशालाएं संचालित हैं, जहां डेंगू की जांच नि:शुल्क की जा रही है।

चेफेक्स इंडिया 2026 को केंद्र का समर्थन, सितंबर में चंडीगढ़ पहुंचेंगे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। चंडीगढ़ में इस साल सितंबर में आयोजित होने जा रहे चेफेक्स इंडिया 2026 को केंद्र सरकार का समर्थन मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की सहमति दे दी है। उनके दौरे को फूड प्रोसेसिंग और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह सहमति पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की रीजनल फैशन एंड टेक्सटेक फोरम की चेयरपर्सन हिमानी अरोड़ा और पीएचडीसीसीआई के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नवीन सेठ की नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से हुई मुलाकात के दौरान बनी। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को चेफेक्स इंडिया 2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बनने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

बैठक के दौरान हिमानी अरोड़ा ने कहा कि चेफेक्स इंडिया 2026 फूड प्रोसेसिंग, हॉस्पिटैलिटी, खाद्य नवाचार और उद्यमिता से जुड़े उद्योगों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश, तकनीक और उद्योग-सरकार के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए आयोजन के लिए मंत्रालय से सहयोग का अनुरोध किया। नवीन सेठ ने केंद्रीय मंत्री को पीएचडीसीसीआई की विभिन्न औद्योगिक पहलों की जानकारी दी और बताया कि इस आयोजन में देशभर से खाद्य प्रसंस्करण, होटल, रेस्तरां और संबंधित उद्योगों से जुड़े उद्यमियों एवं विशेषज्ञों के शामिल होने की संभावना है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

ढकौली में तोड़फोड़ पर विवाद, भाजपा नेता बोले- बदले की राजनीति बर्दाश्त नहीं

जीरकपुर/यूटर्न/01 जुलाई। ढकौली की ग्रीन सिटी, वार्ड नंबर-6 में नगर कौंसिल द्वारा की गई कथित तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा डेराबस्सी के नेता गुरदर्शन सिंह सैनी ने मंगलवार को प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं और समर्थकों को राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी राजनीति किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सैनी ने कहा कि यदि नगर कौंसिल अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, तो यह कार्रवाई बिना किसी भेदभाव के पूरे क्षेत्र में समान मापदंडों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल भाजपा समर्थक परिवारों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान भाजपा समर्थक रमन आनंद ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की पार्षद सुमन सैनी के पति मुकेश सैनी के कहने पर उनके घर के बाहर रखे गमले और क्यारियां बिना किसी नोटिस के तोड़ दी गईं।

यूटर्न टाइम

मानसून से पहले काठगढ़ में बढ़ी चिंता, जाम बरसाती नाले पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

नाला साफ नहीं हुआ तो डूब सकता है काठगढ़, प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों का रोष

जीरकपुर/यूटर्न/01 जुलाई। मानसून की दस्तक से पहले ढकोली क्षेत्र के काठगढ़ गांव में बरसाती नाले की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाले में जमा गाद, कूड़ा-कचरा, मलबा और बहाव क्षेत्र में हुए कथित अवैध निर्माणों के कारण पानी की निकासी बाधित होने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले वर्ष बरसात के दौरान नाला उफान पर आ गया था, जिससे कई घरों में पानी घुस गया और लोगों को लाखों रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। उस समय प्रशासन ने अस्थायी तौर पर नाले की सफाई करवाई थी, लेकिन उसके बाद नियमित सफाई या स्थायी समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। अब एक बार फिर मानसून नजदीक है, जिससे गांव के लोग संभावित बाढ़ जैसे हालात को लेकर चिंतित हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि नाले के प्राकृतिक बहाव में कई स्थानों पर अवैध निर्माण होने से जल निकासी प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार नगर परिषद जीरकपुर को लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मानसून शुरू होने से पहले नाले की व्यापक सफाई कराई जाए और बहाव में बाधा बने अवैध निर्माणों को हटाया जाए।

ग्रामीणों ने बताया कि हालात इतने चिंताजनक हैं कि इस बार कई परिवारों ने बारिश का पानी घरों में घुसने से रोकने के लिए अपने मुख्य दरवाजों के बाहर छोटी-छोटी दीवारें तक बना ली हैं। प्रदर्शन में हरजीत सिंह, भजन सिंह, कुलदीप सिंह, संजय, रवि, जगतार, निर्मल, मनदीप, देव सिंह, गुरमेलो, जरनैल कौर, महेंद्र कौर, मीतू देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जर्जर लोहे का पुल भी बना खतरे की वजह...काठगढ़ गांव में बरसाती नाले पर बना लोहे का पुल भी जर्जर हालत में पहुंच चुका है। पुल के कई हिस्सों में जंग लग चुकी है और स्थानीय लोग मजबूरी में लकड़ी के पटरे रखकर आवाजाही कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुल कभी भी हादसे का कारण बन सकता है। उनका सवाल है कि यदि सुखना चो के रखरखाव और सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा सकते हैं, तो जीरकपुर के इस बरसाती नाले और पुल की मरम्मत पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा।

डोप टेस्ट पॉजिटिव आने पर युवक पर एनडीपीएस एक्ट में केस

तलाशी में कुछ नहीं मिला, डोप टेस्ट में नशे की पुष्टि

- लोहगढ़ रोड से युवक काबू, मॉर्फिन-ट्रामाडोल सेवन की पुष्टि

जीरकपुर/यूटर्न/01 जुलाई। जीरकपुर पुलिस ने नशीले पदार्थों के सेवन के आरोप में एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान शुभम नागपाल पुत्र राज कुमार नागपाल निवासी जीरकपुर, मूल निवासी गली नंबर-6 नानक नगरी अबोहर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार 30 जून को एएसआई राजीव कुमार टीम सहित लोहगढ़ रोड क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि शुभम नागपाल नशे का आदी है और नशीले पदार्थों का सेवन करता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम उसके घर के बाहर पहुंची और उसकी तलाशी ली, लेकिन उसके पास से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस शुभम को सिविल अस्पताल फेज-6, एसएएस नगर ले गई, जहां उसका डोप टेस्ट करवाया गया। डॉक्टर की रिपोर्ट में मॉर्फिन, ट्रामाडोल और बेंजोडायजेपीन का सेवन पॉजिटिव पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने शुभम नागपाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 27, 61 और 85 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप

खेत में जबरन गाड़ी ले जाने का विरोध करने पर किसान की पिटाई, मामला दर्ज

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/1/जुलाई। जांगपुर रोड पर स्थित खेतों में फसल को लेकर दो पक्षों के बीच उपजा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पीड़ित किसान परमजीत सिंह ने आरोप लगाया है कि जब उसने आरोपियों को अपनी जमीन से गाड़ी निकालने से रोका, तो उन्होंने न केवल उसे गालियां दीं, बल्कि लाठियों से उसकी बेरहमी से पिटाई भी कर दी।

क्या है पूरा मामला ?

पीड़ित परमजीत सिंह, जो कि बावा दाखा का निवासी है, ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसने जांगपुर रोड पर खेती के लिए जमीन किराए पर ले रखी है। उसी जमीन के पास दूसरे पक्ष के कमलप्रीत सिंह और उसके साथियों की भी फसल लगी हुई है। परमजीत के अनुसार, आरोपी कमलप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और अरशददीप सिंह (सभी निवासी मोगा) पिछले कुछ समय से उसकी फसल के बीच से ही अपनी गाड़ियां गुजार रहे थे। दो दिन पहले भी उन्होंने मक्की की फसल के बीच से रास्ता बनाया था, जिसका विरोध परमजीत ने किया था।

पीड़ित ने बताया कि 29 जून 2026 की शाम करीब 6 बजे जब आरोपी दोबारा अपनी गाड़ियां उसकी फसल के बीच से गुजार रहे थे, तो वह उन्हें टोकने के लिए गया। परमजीत का आरोप है कि उसे देखते ही आरोपियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते कमलप्रीत के भाई हरमनप्रीत और अरशददीप सिंह भी लाठियां लेकर वहां पहुंच गए। उन्होंने परमजीत को ललकारते हुए कहा कि उसे 'जमीन से गाड़ी निकालने से रोकने का मजा चखाएंगे' और फिर उस पर हमला कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया केस

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी। इलाके में इस घटना के बाद से किसानों में रोष है।

पूर्व कांग्रेसी मंत्री को रिश्वत केस में हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, एफआईआर रद्द करने की मांग खारिज

पंजाब/यूटर्न/1 जुलाई। पंजाब की पूर्व कांग्रेस मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से राहत नहीं मिल सकी है। हाईकोर्ट ने रिश्वत मामले में दर्ज एफआईआर और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि याचिका में कोई मेरिट नहीं है और इसे स्वीकार करने का कोई आधार नहीं बनता। यह मामला वर्ष 2022 का है। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने अरोड़ा को अपने एआईजी को रिश्वत देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। विजिलेंस का आरोप है कि आय से अधिक संपत्ति के मामले से अपना नाम हटवाने के लिए अरोड़ा ने एआईजी को एक करोड़ रुपए की रिश्वत देने की पेशकश की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, तय सौदे के तहत अरोड़ा पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपए लेकर पहुंचे थे। इसी दौरान विजिलेंस टीम ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी एफआईआर और उसके आधार पर ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द कराने के लिए अरोड़ा ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

श्री हजूर साहिब विधेयक स्थगित करना सराहनीय काम, तरुण चुघ ने महाराष्ट्र सीएम का जताया आभार

पंजाब/यूटर्न/1 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के प्रशासनिक बोर्ड के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावित विधेयक को स्थगित किए जाने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सिख संगत की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर व्यापक विचार-विमर्श का रास्ता खोलना एक सराहनीय कदम है। चुघ ने अपने संदेश में कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब दुनिया भर के करोड़ों सिखों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है और इससे जुड़े किसी भी फैसले में सिख संगत की भावनाओं, सिख परंपराओं और आपसी सहमति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा संवाद और सहमति के रास्ते को अपनाना लोकतांत्रिक मूल्यों और सिख समुदाय के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है।

हाईवे पर खड़ा खराब ट्रॉला बना हादसे की वजह, दो युवक घायल

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जुलाई। अंबाला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंडस अस्पताल के सामने सड़क किनारे खड़ा खराब ट्रॉला हादसे का कारण बन गया। बुधवार को पीछे से आ रही मोटरसाइकिल ट्रॉले के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें राहगीरों की मदद से इंडस अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों ने तुरंत घायलों को संभाला और अस्पताल पहुंचाया। ट्रॉला चालक के अनुसार वह गुजरात से डेराबस्सी की तरफ आ रहा था।

नगर परीक्षण जगरांव में बड़ा उलटफेर: कंवरपाल सिंह बने प्रधान

भाजपा के समर्थन से 'आप' ने मारी बाजी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/1/जुलाई। नगर परिषद जगरांव की नई सत्ता का समीकरण बेहद दिलचस्प मोड़ पर आकर रुका है। नगर परिषद अध्यक्ष के चुनाव में आम आदमी पार्टी (AAP) के पार्षद कंवरपाल सिंह को अध्यक्ष चुन लिया गया है। इस जीत के पीछे का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला पहलू भाजपा का समर्थन रहा, जिसने शहर के विकास का हवाला देते हुए 'आप' के साथ हाथ मिलाया है।

टाउन हॉल में एसडीएम बादल दीन की मौजूदगी में हुई इस चुनाव प्रक्रिया में कंवरपाल सिंह को 14 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस की ओर से राजिंदर कौर ठुकराल को उम्मीदवार बनाया गया था, जिन्हें कांग्रेस पार्षदों का समर्थन हासिल था। नई टीम में भाजपा के सतीश कुमार 'पप्पू' सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और कांग्रेस के वरिंदर सिंह कलेर को वाइस प्रेसिडेंट के पद पर चुना गया।

नगर परिषद अध्यक्ष कुंवर पाल सिंह

सीनियर उपाध्यक्ष सतीश कुमार पप्पू, बीजेपी

उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह (कांग्रेस)

पार्षद रविंद्रकौर मालवा

'आप' पार्षद का खुलकर विरोध

दिलचस्प बात यह रही कि आम आदमी पार्टी की ही पार्षद रविंदर कौर मालवा ने कंवरपाल सिंह को वोट देने से इनकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर परिषद चुनाव के दौरान कंवरपाल द्वारा उनके खिलाफ अपनी बेटी को खड़ा करने और उनके विरोध में प्रचार करने की टीस अभी भी बाकी है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वह पार्टी के साथ अनुशासन में हैं और हाईकमान के हर फैसले का सम्मान करेंगी।

विवादों से पुराना नाता, फिर भी मिली 'नंबर वन' कुर्सी

कंवरपाल सिंह का अध्यक्ष बनना शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहे हैं कि जो व्यक्ति नगर परिषद चुनावों में अपनी ही पार्टी (AAP) के खिलाफ मुखर था और अपनी बेटी को आजाद उम्मीदवार के तौर पर उतारकर पार्टी प्रत्याशियों के लिए चुनौती बना था, उसे आखिरकार यह बड़ा इनाम कैसे मिल गया? जानकारों का कहना है कि स्थानीय विधायक बीबी सरबजीत कौर मानूके ने इस बाजी के जरिए न केवल अपनी रणनीति को धार दी है, बल्कि पार्टी के पुराने विवादों को दरकिनार कर विकास को प्राथमिकता देने का संदेश दिया है।

क्या बोले नवनिर्वाचित प्रधान?

पदभार संभालने के बाद कंवरपाल सिंह ने कहा, मेरी प्राथमिकता शहर का सर्वांगीण विकास है। कूड़ा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था, सुदृढ़ सीवरेज और सड़कों का निर्माण मेरा मुख्य एजेंडा रहेगा। मैं पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाऊंगा। वहीं, भाजपा के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सतीश कुमार 'पप्पू' ने कहा कि भाजपा ने केवल शहर के रुके हुए विकास कार्यों को गति देने के लिए समर्थन दिया है, ताकि नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में महिलाओं की अहम भूमिका: वीनू गोयल

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/01 जुलाई। बलवंत गार्गी ऑडिटोरियम में समाजसेवी एवं महिला मोर्चा पंजाब की कार्यकारिणी सदस्य वीनू गोयल की अगुवाई में 'आत्मनिर्भर भारत-सशक्त नारी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1238 महिलाओं ने सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन सहित अलग-अलग कार्यों की ट्रेनिंग लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया। वीनू गोयल ने कहा कि महिलाएं केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, लखपति दीदी योजना और सेल्फ हेल्प ग्रुप जैसी योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आजीविका कमा रही हैं और सम्मान के साथ समाज में आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में ट्रेनिंग प्राप्त महिलाओं द्वारा तैयार किए गए सामान की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरजीत कुमार ज्यानी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए वीनू गोयल और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. मनीष गुप्ता, पारस गुप्ता, एडवोकेट श्यामलाल बंसल, हेमराज गोयल, मुकेश गर्ग, विमल बंसल, मदन जिंदल सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरु काशी यूनिवर्सिटी तलवंडी साबो का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर एमके मन्ना ने सभी मेहमानों का आभार जताया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: चंडीगढ़ में कोरोना काल में मिली विशेष छूट खत्म, अब पुराने वेंडिंग नियम होंगे लागू

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। चंडीगढ़ में रेहड़ी-फड़ी कारोबार से जुड़े हजारों विक्रेताओं के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने 17 जुलाई 2020 की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया है, जिसके तहत कोविड-19 महामारी के दौरान 'आवश्यक सेवा प्रदाता (Essential Service Provider)' की श्रेणी का दायरा बढ़ाकर छोले-भटूरे, कुलचे-छोले, पराठे, तंदूर, फल-सब्जी और धार्मिक स्थलों के बाहर फूल बेचने वाले विक्रेताओं को विशेष छूट दी गई थी। अदालत ने कहा कि यह व्यवस्था केवल महामारी जैसी असाधारण परिस्थितियों के लिए थी और अब इसे जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति नोंगमेकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट किया कि कोविड-19 के दौरान जारी की गई अस्थायी व्यवस्था को स्थायी रूप नहीं दिया जा सकता। इसलिए अब 2020 से पहले लागू वेंडिंग नियम और प्रावधान ही प्रभावी रहेंगे।

कोरोना काल में मिली थी विशेष अनुमति

कोविड-19 महामारी के दौरान प्रशासन ने आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कई श्रेणियों के खाद्य विक्रेताओं और फूल बेचने वालों को भी 'एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर' घोषित कर दिया था। इसके चलते इन विक्रेताओं को सामान्य प्रतिबंधों के बावजूद कारोबार करने की अनुमति मिली थी। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह विशेष दर्जा समाप्त हो गया है।

दुरुपयोग पर अदालत ने जताई चिंता

सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा नियुक्त एमिकस क्यूरी ने दलील दी कि 'एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर' की विस्तारित परिभाषा का दुरुपयोग हो रहा है और इससे स्ट्रीट वेंडिंग कानून के मूल उद्देश्य पर असर पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क से सहमति जताते हुए अधिसूचना को निरस्त कर दिया।

657 करोड़ बैंक घोटाला: तीन आईएएस जेल में, अब चार और अफसर सीबीआई के रडार पर

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जुलाई। हरियाणा और चंडीगढ़ के सरकारी विभागों से जुड़े 657 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के तत्कालीन सदस्य सचिव और आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी के बाद अब चार अन्य आईएएस अधिकारियों पर भी सीबीआई की कार्रवाई की तलवार लटक गई है। जांच एजेंसी का मानना है कि सरकारी धन को नियमों के विपरीत एक ही बैंक में निवेश कराने और उसकी निगरानी में कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच अभी बाकी है। सीबीआई पहले ही इस मामले में आईएएस पंकज अग्रवाल और राम कुमार सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है। मंगलवार को प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी के साथ इस घोटाले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारियों की संख्या तीन हो गई है। इसके अलावा चंडीगढ़ कैडर के आईएफएस अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव भी इस मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

चार और आईएएस जांच के घेरे में

जांच एजेंसी के अनुसार हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (एचपीजीसीएल), श्रम विभाग, पंचायत विभाग और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अहम पदों पर रह चुके चार और आईएएस अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। सीबीआई उनके कार्यकाल के दौरान हुए निवेश, बैंक खातों के संचालन और फंड ट्रांसफर से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। यदि पर्याप्त साक्ष्य मिले तो इन अधिकारियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी की कार्रवाई हो सकती है।

विनीत गर्ग की भूमिका भी जांच के दायरे में

जांच में एचएसपीसीबी के तत्कालीन चेयरमैन आईएएस विनीत गर्ग का नाम भी सामने आया है। प्रदीप कुमार ने पूछताछ के दौरान आरोप लगाया है कि उनके निर्देश पर वित्त विभाग की निर्धारित सीमा से अधिक सरकारी राशि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में जमा कराई गई। आरोप है कि 50 करोड़ रुपये की निवेश सीमा पूरी होने के बाद भी कई चरणों में अतिरिक्त रकम उसी बैंक में भेजी गई, जबकि अन्य बैंकों में अधिक ब्याज दर उपलब्ध थी। सीबीआई इन आरोपों की भी जांच कर रही है।

प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी क्यों हुई

सीबीआई के अनुसार प्रदीप कुमार एचएसपीसीबी में सदस्य सचिव रहते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़े निवेश का पूरा काम स्वयं देख रहे थे। आरोप है कि उन्होंने विभाग की राशि बिना सक्षम अनुमति के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में खुले खाते में ट्रांसफर कराई। एफडी बनाने के बजाय उसी खाते से फर्जी डेबिट ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 169 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। एजेंसी का कहना है कि प्रदीप कुमार लगातार जांच से बच रहे थे और पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

सेवानिवृत्ति के दिन ही हुई गिरफ्तारी

दिलचस्प बात यह है कि प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी उनके सेवानिवृत्ति के दिन हुई। उन्हें 8 अप्रैल को हरियाणा सरकार ने निलंबित किया था और मंगलवार को वे सेवा से रिटायर हुए। हरियाणा में यह पहला मामला माना जा रहा है, जब कोई आईएएस अधिकारी निलंबन के दौरान सेवानिवृत्त हुआ है। नियमों के अनुसार जांच पूरी होने तक उन्हें पूर्ण पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिलेंगे।

अब तक २२ गिरफ्तार

सीबीआई इस घोटाले में अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें तीन आईएएस, एक आईएफएस, आठ बैंक अधिकारी-कर्मचारी, चार सरकारी कर्मचारी और छह निजी व्यक्ति शामिल हैं। एजेंसी 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है और अब डिजिटल साक्ष्यों, बैंक रिकॉर्ड, मनी ट्रेल तथा शेल कंपनियों तक पहुंचे सरकारी धन की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कुछ और बड़े अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है।

पाक से ड्रोन से हथियार मंगाने वाले 2 स्मगलर अरेस्ट, 7 पिस्तौलें और 40 कारतूस बरामद

अमृतसर/यूटर्न/1 जुलाई। अमृतसर पुलिस ने सीमा पार से चल रहे अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क का बड़ा खुलासा करते हुए 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 7 अत्याधुनिक पिस्तौल और 40 कारतूस बरामद किए हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि ये हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत भेजे जा रहे थे। आरोपियों की पहचान तरनतारन जिले के सराहणा, सुरसिंह निवासी सुरजीत सिंह और गुलबाग सिंह बाठ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सुरजीत सिंह पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहा था। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि दूसरा आरोपी गुलबाग सिंह अमृतसर के सुल्तानविंड इलाके में एक डी-एडिक्शन सेंटर संचालित करता था। पुलिस को शक है कि इस सेंटर की आड़ में अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। अब सिविल सर्जन की टीम के साथ मिलकर सेंटर के रिकॉर्ड और फंडिंग की जांच की जा रही है। बरामद हथियारों में एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, तुर्की निर्मित .30 बोर पिस्तौल, विशेष रूप से मॉडिफाइड .30 बोर पिस्तौल, चीन और पाकिस्तान में बने .30 बोर पिस्तौल सहित कुल सात हथियार शामिल हैं। इसके अलावा 40 जिंदा .30 बोर कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

तय स्थान पर गिराई जाती थी नशे की खेप

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप तरनतारन के सीमावर्ती इलाकों में पहले से तय स्थानों पर गिराई जाती थी। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और बातचीत के लिए व्हाट्सएप, सिग्नल जैसी एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल करते थे। इस मामले में थाना सुल्तानविंड में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

75 वर्षीय बुजुर्ग महिला का न्याय के लिए 4 साल से संघर्ष

पुलिस पर आरोपियों को संरक्षण देने का गंभीर आरोप

-चरणजीत सिंह चन्ना-

जगरांव/यूटर्न/1/जुलाई। पुलिसिया अत्याचार के खिलाफ न्याय की आस में बैठी 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला का संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले चार वर्षों से स्थानीय थाने के बाहर धरने पर बैठी इस पीड़िता और विभिन्न न्यायप्रिय संगठनों ने आज एक बार फिर जोरदार रोष-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन सरेआम अत्याचार करने वाले अपने ही अधिकारियों को बचाने का प्रयास कर रहा है।

क्या है पूरा मामला ?

यह मामला रसूलपुर गांव का है, जहां तत्कालीन एसएचओ गुरिंदर सिंह बल और एएसआई राजवीर सिंह पर अनुसूचित जाति के दो परिवारों को जातिगत द्वेष के चलते अगवा करने, अवैध हिरासत में रखने और अमानवीय यातनाएं देने का आरोप है।

न्याय प्रणाली पर उठते गंभीर सवाल

दशमेश किसान मजदूर यूनियन के जिला खजांची अमरीक सिंह तलवंडी, दलित समाज संगठन पंजाब के प्रधान नछत्तर सिंह धालीवाल, देहाती मजदूर सभा के सचिव निर्मल सिंह धालीवाल, गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी के प्रधान जसप्रीत सिंह ढोलण और मजदूर संघर्ष कमेटी के प्रधान भरपूर सिंह छज्जावाल ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पुलिस के रवैये पर तीखी नाराजगी जताई। नेताओं ने कहा कि, 'न केवल कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, बल्कि संवैधानिक आयोगों के आदेशों और माननीय स्पेशल कोर्ट के निर्देशों को भी पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।'

पीड़ित परिवारों के अनुसार

युवक और युवती कुलवंत कौर को बिजली के करंट दिए गए। पीड़िता मनप्रीत कौर के साथ यौन शोषण की घटना को अंजाम दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सैकड़ों शिकायतों और पर्याप्त सबूतों के बावजूद, दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई न होना पुलिस और सिविल अधिकारियों के पक्षपाती चेहरे को बेनकाब करता है।

संघर्ष जारी रखने का संकल्प

इस मौके पर निर्भय सिंह, नछत्तर सिंह तलवंडी, गुरपाल सिंह, सुखदेव सिंह, जत्थेदार चरत सिंह गगड़ा, जत्थेदार कुलवंत सिंह घारू और मुकदमे के शिकायतकर्ता इकबाल सिंह ने दोटूक शब्दों में कहा कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती और पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता, तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। धरने के दौरान पीड़िता सुरिंदर कौर और कमलजीत कौर भी उपस्थित रहीं, जिनकी आंखों में आज भी न्याय की उम्मीद और पुलिसिया तंत्र के प्रति गहरा आक्रोश साफ देखा जा सकता है।

बलौंगी थाना पुलिस को बड़ी सफलता, पांच साल पुराने मामले में दो घोषित भगोड़े गिरफ्तार

मोहाली/यूटर्न/01 जुलाई। बलौंगी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अदालत द्वारा घोषित दो भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तरप्रदेश निवासी मुस्तफा उर्फ गोलू, और अनिल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी थाना बलौंगी में दर्ज एफआईआर नंबर 175/2021 के मामले में वांछित थे।

नशा तस्करी के आरोप में तीन तस्कर गिरफ्तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/1/जुलाई। पंजाब पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से नशीली गोलियां और भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है।

पहला मामला (थाना मुल्लांपुर): थाना मुल्लांपुर के अंतर्गत अरक इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस पार्टी ने गश्त के दौरान एक युवक को काबू किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम करण पुत्र नंद सिंह, निवासी प्रेम नगर, मंडी मुल्लांपुर बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 10 नशीली गोलियां बरामद की गईं। इस संबंध में ठग्ग्हर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दूसरा मामला (थाना हठूर): थाना हठूर के अंतर्गत अरकमनोहर लाल की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रणदीप सिंह उर्फ रमन पुत्र लखमन सिंह, निवासी भोंटा बस्ती, पिंड मांऊके को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से नशीली गोलियां बेचने का धंधा कर रहा था। मौके पर छापेमारी कर पुलिस ने आरोपी के पास से 22 नशीली गोलियां बरामद की हैं। पुलिस ने ठग्ग्हर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तीसरा मामला (थाना सिटी जगराओं): थाना सिटी जगराओं के अंतर्गत अरकशमिंदरजीत सिंह की टीम ने एक गुप्त सूचना के बाद प्रमजीत सिंह उर्फ टीना पुत्र हरबंस सिंह (पुत्र गुरनाम सिंह), निवासी शास्त्री नगर, नेड़े तारा वाली गराऊंड, जगराओं को काबू किया।

नोरा फतेही का नो-मेकअप लुक वायरल, सादगी ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार नोरा अपने ग्लैमरस डांस लुक या रेड कार्पेट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि अपने सिंपल और नो-मेकअप अवतार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। तस्वीर में नोरा फतेही ब्लू कैजुअल आउटफिट में बेहद नेचुरल लुक में नजर आ रही हैं। खुले बाल, हल्की मुस्कान और बिना हेवी मेकअप के उनका यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स नोरा के इस लुक को 'सिंपल एंड स्टनिंग' और 'नेचुरल ब्यूटी' बता रहे हैं। आमतौर पर नोरा फतेही अपने डांस मूव्स, स्टाइलिश फैशन और ग्लैमरस अवतार के लिए जानी जाती हैं, लेकिन इस बार उनका सादगी भरा अंदाज लोगों का ध्यान खींच रहा है। ग्लैमर हो या सादगी, नोरा फतेही हर लुक में फैंस का दिल जीतना जानती हैं।

डायलिसिस मरीजों के लिए इनर व्हील क्लब ने बढ़ाया मदद का हाथ

90 जीवनरक्षक इंजेक्शन दान, जरूरतमंद मरीजों को मिलेगी राहत

जीरकपुर/यूटर्न/01 जुलाई। इनर व्हील क्लब जीरकपुर ने समाज सेवा की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए डायलिसिस मरीजों की मदद के लिए 90 जीवनरक्षक इंजेक्शन सेवा भारती ट्रस्ट को भेंट किए। क्लब की प्रेसिडेंट एडवोकेट प्रीति जैन के नेतृत्व में 1 जुलाई को सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल पंचकूला में रेनोसेल 10000 इंजेक्शन सौंपे गए। हरियाणा सरकार की ओर से डायलिसिस सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है, लेकिन उपचार के दौरान आवश्यक इंजेक्शन आर्थिक रूप से

कमजोर कई मरीजों के लिए खरीदना मुश्किल हो जाता है। सेवा भारती ट्रस्ट के अनुसार हर महीने करीब 35 से 40 जरूरतमंद मरीज इन इंजेक्शनों के लिए सहायता प्राप्त करते हैं। क्लब द्वारा उपलब्ध कराए गए इंजेक्शन लगभग ढाई महीने तक मरीजों की जरूरत पूरी करने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर क्लब प्रेसिडेंट एडवोकेट प्रीति जैन ने कहा कि जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना सामाजिक दायित्व है। छोटी सी मदद भी किसी के जीवन में बड़ी उम्मीद बन सकती है।

उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब जीरकपुर आगे भी जनसेवा के ऐसे कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। कार्यक्रम में क्लब सचिव सिमरन बेदी, जेडसीसी रीटा काक, आशा सराफ और रिचा सेतिया मौजूद रहीं। उपस्थित लोगों ने क्लब की इस पहल की सराहना की।

30 दिन में खुले बोरवेल बंद नहीं हुए तो पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में दायर होगी जनहित याचिका: एडवोकेट वासु रंजन

जीरकपुर/यूटर्न/01 जुलाई। अंबाला के धनौरा गांव में 220 फुट गहरे खुले बोरवेल में गिरने से चार वर्षीय मासूम निरवैर की दर्दनाक मौत के बाद काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन एवं एडवोकेट वासु रंजन ने हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ प्रशासन के खिलाफ बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि यदि 30 दिनों के भीतर हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के सभी खुले एवं परित्यक्त बोरवेल सुरक्षित रूप से बंद नहीं किए गए, तो इस संबंध में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दायर की जाएगी।

एडवोकेट वासु रंजन ने हरियाणा के मुख्यमंत्री, पंजाब के मुख्यमंत्री तथा चंडीगढ़ के प्रशासक को पत्र भेजकर अपने-अपने क्षेत्रों में खुले बोरवेलों की तत्काल पहचान कर उन्हें स्थायी रूप से बंद कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खुले बोरवेल लगातार मासूम बच्चों की जान के लिए गंभीर खतरा बने हुए

हैं और प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आती हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र भेजा गया है, जिसमें देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए खुले एवं अनुपयोगी बोरवेलों को बंद करने संबंधी एक समान राष्ट्रीय गाइडलाइन जारी करने का अनुरोध किया गया है, ताकि भविष्य में किसी भी बच्चे की जान इस प्रकार की लापरवाही से न जाए।

एडवोकेट वासु रंजन ने कहा कि केवल प्रशासनिक निर्देश पर्याप्त नहीं हैं। जो खेत मालिक या भूमि स्वामी खुले और असुरक्षित बोरवेल छोड़ देते हैं, उनके विरुद्ध भी आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी लापरवाही सीधे तौर पर लोगों के जीवन को खतरे में डालती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी खुले बोरवेल के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि निरवैर की मौत पूरे देश के लिए एक चेतावनी है और अब समय आ गया है कि खुले बोरवेलों के मुद्दे पर केवल संवेदनाएं व्यक्त करने के बजाय प्रभावी कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यदि निर्धारित अवधि में आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो जनहित और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

अब पीएसईबी खुद बेचेगा किताबें, मिलेगी भारी छूट, प्राइवेट बुक सेलर्स की लूट होगी बंद, 12 लाख स्टूडेंट्स को फायदा

ऑनलाइन पोर्टल लांच, बच्चे सीधे घर मंगवा सकेगें बुक्स

पंजाब/यूटर्न/1 जुलाई। पंजाब के स्टूडेंट्स और पेरेंट्स हर साल नई बुक्स को लेकर प्राइवेट बुक सेलर्स की लूट का शिकार होते थे। लेकिन अब पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड द्वारा इस पर रोक लगाने की तैयारी कर ली गई है। बोर्ड के कई आदेशों के बावजूद ओवरचार्जिंग बंद न होने पर अब बोर्ड द्वारा खुद ही किताबें सेल करने का जिम्मा उठा लिया गया है।

इसके लिए पीएसईबी ने पुस्तक पोर्टल नाम से अपना खुद का ई-कॉमर्स पोर्टल लॉन्च कर दिया है। ऐसा करने वाला पंजाब, देश का पहला शिक्षा बोर्ड बन गया है। इस फैसले से राज्य के 12 लाख से अधिक स्टूडेंट्स को सीधा फायदा मिलेगा और उनके करीब 2.15 करोड़ रुपए सालाना बचेंगे। पीएसईबी के चेयरमैन डॉ. अमरपाल सिंह ने बताया कि अब छात्र, माता-पिता और स्कूल सीधे इस पोर्टल के जरिए ऑनलाइन किताबें ऑर्डर कर सकते हैं। कोई भी स्कूल इन किताबों को असेप्ट करने से इंकार नहीं कर सकेगा।

प्रिंट रेट से फ्लैट छूट मिलेगी

पोर्टल से ऑर्डर करने पर किताबों के प्रिंट रेट पर फ्लैट 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। अब प्राइवेट बुक सेलर्स स्टूडेंट्स से ज्यादा पैसे नहीं वसूल पाएंगे। स्कूल सिर्फ किताबें बांटने में मदद करेंगे, वे बोर्ड तय रेट से 1 रुपए भी ज्यादा नहीं ले सकते। बोर्ड ने पंजाबी, अंग्रेजी और हिंदी मीडियम की 361 टेक्स्टबुक टाइटल्स की करीब 2.25 करोड़ किताबें प्रिंट की हैं।

डिलीवरी के लिए २ विकल्प होंगे

स्टूडेंट्स तक किताबें आसानी से पहुंचाने के लिए बोर्ड ने दो खास इंतजाम किए हैं। पूरे पंजाब में 97 डिलीवरी/पिक-अप सेंटर बनाए गए हैं। अगर आप इन सेंटर्स पर जाकर खुद किताबें लेते हैं, तो कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं देना होगा। इसके अलावा पीएसईबी के जिला कार्यालयों से सीधे वॉक-इन करके भी 15 प्रतिशत डिस्काउंट पर किताबें ली जा सकती हैं। अगर आप किताबें घर पर मंगवाना चाहते हैं, तो पीएसईबी ने भारतीय डाक के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत ह्लत्रट्टंल्ल ढङ्म२३ ग्रँीह्व शुरू की गई है। 5 किलो तक के पार्सल पर डिलीवरी चार्ज 20 रुपए से 100 रुपए तक होंगे।

सुंडरा में बिजली संकट से पेयजल आपूर्ति ठप, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

बिजली फाल्ट बना सुंडरा की सबसे बड़ी परेशानी, विभाग पर लापरवाही के आरोप, मरम्मत किए बिना लौटे कर्मचारी, सुंडरा के लोगों का फूटा गुस्सा

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जुलाई। गांव सुंडरा में बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल संकट गहरा गया है। बिजली नहीं होने के कारण पानी की मोटरें बंद पड़ी हैं, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई घंटों से समस्या का समाधान नहीं होने पर लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द सप्लाई बहाल नहीं होने

पर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी गांव पहुंचे, लेकिन खंभे पर सीढ़ी लगाने के बाद बिना कोई मरम्मत कार्य किए वापस लौट गए। कर्मचारियों ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें जेई राज कुमार ने फिलहाल काम रोकने के लिए बुला लिया है। जब ग्रामीणों ने अधिकारियों से फोन पर बात कराने की मांग की तो कर्मचारियों ने अपने मोबाइल से बात कराने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने जेई राज कुमार को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों पर अधिकारी गंभीरता नहीं दिखाते, जिससे आम लोगों को बार-बार परेशानी उठानी पड़ती है। मामले की जानकारी एसडीओ मुबारिकपुर को भी दी गई। ग्रामीणों के अनुसार एसडीओ ने बिजली आपूर्ति जल्द बहाल कराने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बावजूद मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9814295372
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।